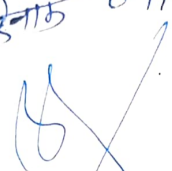


तारीख
हुकम

पॅरोकार परकार जज लाला चामे
पत्राली व/ वकीलपारी दया करीबी
प्रतिवादीपण से कोर्ट कुरुलोग मदी
नाहे जाने हेतु निवेदन ~~ही~~ मिया।
दिलके वस्तुअर आदीयेका व/ निवेदन
भीकत किया। प्रकर माफपत्र ग 2
की सहम मुनी मदी पत्रावली वास्ते
आदेश दिनांक 07/12/22 को
पेश है।


SDO

अभिभावक मण्डल से कार्य स्थगित
किया दिनांक ... को पेश हो
11/23

11/23 पत्रावली वास्ते आदेश माफपत्र
212 हेतु पेश हुई। वकीलपारी उर्फ
पॅरोकार परकार उपस्थित। वधम
के दौरान वडी वकील ने निवेदन
किया कि पहला रिमांड आदेशरीका
है। व/नेपत्र 2046 से पहले कोर्ट नाला
वही था। ~~कोर्ट~~ कोर्ट ना ही कोर्ट राष्ट्रभा।
कोर्ट जमाना में गैरफु माला जर दिया।

FROM No. III

फर्द अहकाम
(नियम 26)

मुकाम

बनाम

नं.....सन्.....

हुक्म या कार्रवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील में
जारी हुए

कार्रवाही योग्य समझे हैं। इसकारण TDR
को पाबन्द करने व लेक्चरल नहीं
करने का निर्देश किया।

वकीलवादी एवं पैरोकार परज्जाम
की वृत्त पर मनन किया गया। पत्रावली
का अवलोकन किया गया। लोक आराजी
निवाचक डस्क रिकॉर्ड हैं। साक्षिक
आराजी जैम कुमाल व गैर मुसकि
वाला डस्क रिकॉर्ड हैं। प्रथम इण्डिया
प्रकरण वादी के पक्ष में साक्षित नहीं
होगा है। जहाँ तक वादी के अधीकारों
का प्रश्न है वे मुल्वाद में लय क्रिये
जावेंगे। मुझे प्रथम इण्डिया प्रकरण
वादी के पक्ष में साक्षित नहीं होगा है।
वया मुझे मु-प्रकथ 2020 से
आडिनोक्त लक निवाचक डस्क रिकॉर्ड हैं।
मुझे पर नाल व रात्रा बना हुआ है।
इसलिए वादी को अपूर्णता श्राव
होने का भी उद्देश नहीं है। कल
प्रक पत्र 212 RT Act अन्तर्गत
में खारिज किया जाता है। पत्रावली

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

फॉर्मल सुमार दोकर रफिख्त से काम की
लावे। सेलान मुज्जाद ही।

18
20